नवभारत
भोपाल, मंगलवार 1 सितम्बर, 2026

खाली प्लॉट बने गंदे पानी का ठिकाना

खास बातें

- बारिश के बाद बढ़ा बीमारी फैलने का खतरा
- महीनों से जमा बारिश और सीवेज के पानी में पनप रहे मच्छर
- कचरे और बदबू से रहवासी परेशान, नगर पालिका से तत्काल कार्रवाई की मांग

नवभारत न्यूज

विदिशा 31 अगस्त, निस. शहर की कई कॉलोनियों में खाली प्लॉट इन दिनों बारिश और सीवेज के पानी से लबालब भरे हुए हैं. पानी की निकासी नहीं होने के कारण इन प्लॉटों में लंबे समय से गंदा पानी जमा है, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव के कारण डेंगू, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है.

शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ स्थायी समाधान

रहवासियों का कहना है कि खाली प्लॉटों में जलभराव और गंदगी की समस्या को लेकर नगर पालिका प्रशासन को कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया. लोगों का आरोप है कि मच्छरों की रोकथाम के लिए नियमित रूप से लार्वा सर्वे, फॉगिंग और दवा का छिड़काव भी नहीं कराया जा रहा है.

बंटी नगर, उदय नगर, सुभाष नगर, रामलीला क्षेत्र, करैयाखेड़ा, मिजापुर सहित शहर के कई इलाकों में खाली प्लॉटों में जलभराव की समस्या बनी हुई है. कई स्थानों पर ये खाली प्लॉट कचरा फेंकने का स्थान भी बन गए हैं. इससे आसपास के क्षेत्रों में गंदगी और दुर्गंध का वातावरण बना हुआ है. लंबे समय से पानी जमा होने के कारण आसपास स्थित मकानों की दीवारों में भी सीलन आने लगी है.

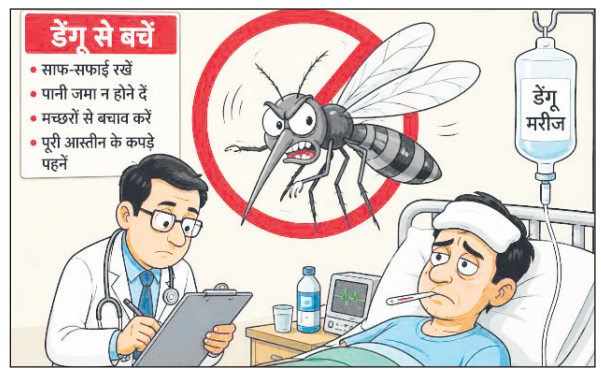

जल निकासी और मच्छर नियंत्रण की मांग

रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से खाली प्लॉटों में जमा पानी की तत्काल निकासी कराने, सफाई अभियान चलाने तथा मच्छर नियंत्रण के लिए फॉगिंग एवं दवा का नियमित छिड़काव कराने की मांग की है. लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या को नजरअंदाज किया गया तो आने वाले दिनों में संक्रामक बीमारियों का खतरा और बढ़ सकता है. नागरिकों ने जिम्मेदार अधिकारियों से समय रहते प्रभावी कदम उठाने की मांग की है.

नशे के कारोबार पर पुलिस का बड़ा प्रहार, 11 आरोपी गिरफ्तार

- 18 ग्राम ब्राउन शुगर, 147 लीटर अवैध शराब, 32 मोबाइल और अपाचे जब्त
- करीब 9 लाख का मशरूका बरामद

नवभारत न्यूज

विदिशा 31 अगस्त, नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने गंजबासौदा में बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग प्रकरणों में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 18 ग्राम ब्राउन शुगर, 117 लीटर अवैध देशी शराब, 30 लीटर कच्ची जहरीली शराब, 32 टच मोबाइल और एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है. जब्त मशरूके की अनुमानित कीमत करीब 9 लाख रुपए बताई गई है.

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ एवं शराब विरोधी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी तथा एसडीओपी गंजबासौदा शिखा भलावी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई. बासौदा शहर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए रामकुमार पटेल को पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र से 8.30 ग्राम ब्राउन शुगर और 32 टच मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया. वहीं प्यारेलाल अहिरवार को लाल पठार ओवरब्रिज के नीचे से 9.66 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा गया. दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा पुलिस ने मनीष अहिरवार को 6 पेटी अवैध देशी शराब के साथ पकड़ा.संतोष अहिरवार, संजीव अहिरवार और अम्मू उर्फ अमन को अलग-अलग स्थानों से 5-5 लीटर कच्ची जहरीली शराब. के साथ गिरफ्तार किया गया.

बासौदा देहात थाना- पुलिस ने शनि मंदिर-जेल रोड क्षेत्र से भैरोसिंह भोई और वीरसिंह परिहार को कुल 10 लीटर कच्ची जहरीली शराब के साथ गिरफ्तार किया. विक्रम रघुवंशी और जितेन्द्र शर्मा को भी 5 लीटर कच्ची जहरीली शराब के साथ पकड़ा गया. वहीं अर्पित झा के प्रकरण में पुलिस ने 63 लीटर अवैध देशी शराब और एक अपाचे मोटरसाइकिल जब्त की. सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत पृथक-पृथक प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है. पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय वेदिया, थाना प्रभारी गंजबासौदा देहात उनि. जय कुमार सिंह सहित पुलिस अधिकारियों, प्रधान आरक्षकों, आरक्षकों, महिला आरक्षक एवं सैनिक की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक

नवभारत न्यूज

पठारी. भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियों को लेकर सोमवार को नगर के श्री राज मंदिर हाल में बैठक आयोजित की गई. शाम 7 बजे हुई बैठक में 4 सितंबर को आयोजित होने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियों और कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई. सर्वसम्मति से शैलेंद्र प्रताप ठाकुर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समिति का अध्यक्ष, दीपक साहू को उपाध्यक्ष तथा गोलू रिछारिया कोषाध्यक्ष चुना गया. समिति के सदस्यों को आयोजन से जुड़ी अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं.बैठक में निर्णय लिया गया कि जन्माष्टमी से पहले मंदिर को फूलों एवं आकर्षक विद्युत रोशनी से सजाया जाएगा. इसके बाद नगर में भव्य चल समारोह निकाला जाएगा. शोभायात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित होंगे. शोभायात्रा पोद्दार मंदिर से शुरू होकर प्रमुख मार्गों एवं चौक-चौराहों से होते हुए मंदिर पहुंचेगी. इसमें ढोल-नगाड़े एवं डीजे आकर्षण का केंद्र रहेंगे.बैठक में हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश रिछारिया, हरिनेश यादव, अखिलेश पंथी, मनोज रिछारिया, जसवंत सिंह यादव, अमित शर्मा, शिव कुमार यादव, कमल सिंह कुशवाह, भानु दुबे, कमलेश साहू, मुन्नालाल सोनी सहित नागरिक मौजूद रहे.

शासकीय स्कूलों की बदहाल व्यवस्था और गिरते शिक्षा स्तर के खिलाफ आंदोलन

- युवा कांग्रेस ने किया स्कूल बचाओ अभियान का आगाज
- 8 दिन का अल्टीमेटम, सुधार नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

नवभारत न्यूज

विदिशा. जिले में शासकीय स्कूलों की बदहाल व्यवस्था और गिरते शिक्षा स्तर के खिलाफ जिला युवा कांग्रेस ने स्कूल बचाओ अभियान की औपचारिक शुरुआत की है. अभियान को लेकर युवा कांग्रेस द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित कर आगामी आंदोलन की रणनीति की जानकारी दी गई.

युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय स्कूलों में व्याप्त समस्याओं को सामने लाया जाएगा. इसके लिए युवा कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आम जनता के सहयोग से स्कूलों की समस्याओं की जानकारी जुटाएगी. समस्याओं के फोटो, वीडियो एवं लिखित शिकायतों के माध्यम से जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जाएगा.

8 दिन में सुधार नहीं तो आंदोलन

युवा कांग्रेस ने संबंधित स्कूलों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए प्रशासन को 8 दिन का समय देने की बात कही है. संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शिकायतों पर निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं हुई और स्कूलों की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो युवा कांग्रेस द्वारा व्यापक एवं उग्र आंदोलन किया जाएगा.

जनभागीदारी से सामने लाई जाएंगी समस्याएं

अभियान के दौरान स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी, भवनों की स्थिति, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, शिक्षण व्यवस्था सहित शिक्षा से जुड़ी अन्य समस्याओं को साक्ष्यों के साथ प्रशासन के समक्ष रखा जाएगा. संगठन का कहना है कि अभियान का उद्देश्य शासकीय स्कूलों की व्यवस्थाओं में सुधार कर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है.युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि यह अभियान राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए छात्रों की गूंज% कार्यक्रम से प्रेरित है. अभियान में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया जाएगा.

कांग्रेस ने दिया पूर्ण समर्थन

प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने स्कूल बचाओ अभियान को कांग्रेस पार्टी का पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की. जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा ने आम जनता से अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यदि शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं होगा तो देश और जिले की प्रगति संभव नहीं है.जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुशील शर्मा ने बताया कि आंदोलन की आगामी रूपरेखा तय करने के लिए पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया था. इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहित रघुवंशी, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रवि साहू, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव मुआज कामिल, ब्लॉक कांग्रेस ग्यारसपुर अध्यक्ष आकाश मीणा, विदिशा युवा कांग्रेस महासचिव अभय झा, उपाध्यक्ष मिक्की भावसार सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

जिला सनाढ्य ब्राह्मण परिषद का भुजरिया मिलन कार्यक्रम संपन्न

- आम चुनाव की संशोधित रूपरेखा जारी, 6 सितंबर तक चलेगा सदस्यता अभियान
- 20 सितंबर को मतदान एवं मतगणना

नवभारत न्यूज

विदिशा. जिला सनाढ्य ब्राह्मण परिषद विदिशा का भुजरिया मिलन कार्यक्रम सनाढ्य समाज धर्मशाला, करैयाखेड़ा रोड विदिशा में आयोजित किया गया. बैठक की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ पं. वृंदावन वैद्य ने की. कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पं. मनोज शर्मा एवं पं. लक्ष्मीनारायण शास्त्री उपस्थित रहे.

कार्यक्रम की शुरुआत सामाजिक बंधुओं द्वारा एक-दूसरे को गले लगाकर भुजरियों की शुभकामनाएं देने के साथ हुई. वरिष्ठजनों ने उपस्थित समाजजनों को आशीर्वाद दिया. इस दौरान सभी ने जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक-दूसरे से क्षमा भी मांगी.सनाढ्य ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष पं. दीपक तिवारी ने समाजजनों को भुजरिया पर्व की शुभकामनाएं देने के बाद परिषद के आगामी आम चुनाव की संशोधित रूपरेखा प्रस्तुत की. उन्होंने बताया कि समाज का सदस्यता अभियान 6 सितंबर 2026 रविवार तक चलेगा. त्रिवार्षिक सदस्यता शुल्क 100 रुपए तथा आजीवन संस्था शुल्क 500 रुपए निर्धारित किया गया है.कार्यक्रम में पं. दीनदयाल शर्मा, पं. लक्ष्मीनारायण शर्मा, पं. सुरेश शर्मा, पं. जगदीश दीक्षित, पं. मनमोहन शर्मा, पं. तरुण चौबे, पं. मोनू दुबे, पं. ओमप्रकाश तिवारी, पं. सुजीत देवलिया, पं. हेमंत शर्मा, पं. विजय चौबे, पं. दिलीप शर्मा, पं. केके आचार्य, पं. प्रमोद शर्मा, पं. आरके शर्मा, पं. मुकेश दुबे, पं. बिट्टू शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्रजन उपस्थित रहे.कार्यकारिणी सदस्य सचिव पं. अभिनव तिवारी गट्टू, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र ढिमोले, पं. बृजनंदन दुबे, पं. अभिषेक शर्मा, पं. शिवनारायण तिवारी, पं. रुपेश तिवारी सहित अन्य समाजजन भी मौजूद रहे.कार्यक्रम का संचालन सचिव पं. अभिनव तिवारी गट्टू ने किया तथा आभार उपाध्यक्ष धर्मेंद्र ढिमोले ने माना. यह जानकारी परिषद के अध्यक्ष पं. दीपक तिवारी ने दी.

13 सितंबर को नामांकन प्रक्रिया

नामांकन पत्र 13 सितंबर रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जमा किए जा सकेंगे. नामांकन पत्रों की जांच दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक होगी. नामांकन पत्रों की वापसी दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक की जा सकेगी. उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन 13 सितंबर को शाम 4.30 बजे किया जाएगा.यदि मतदान आवश्यक हुआ तो 20 सितंबर 2026 रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा. इसी दिन शाम 4.30 बजे से मतगणना की जाएगी.

अमित श्रीवास्तव बने 'मन की बात' के जिला प्रभारी

नवभारत न्यूज

विदिशा. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, भाजपा जिला प्रभारी सीताराम यादव एवं विदिशा विधायक मुकेश टंडन की सहमति से भाजपा जिला अध्यक्ष महाराज सिंह दांगी ने अमित श्रीवास्तव को भाजपा विदिशा 'मन की बात' का जिला प्रभारी नियुक्त किया है.अमित श्रीवास्तव की नियुक्ति पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं युवा कार्यकर्ताओं ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं. पार्टी कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि श्री श्रीवास्तव संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का प्रभावी ढंग से निर्वहन करेंगे.

पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास का भव्य नागरिक अभिनंदन

नवभारत न्यूज

विदिशा. विदिशा के समीप महाबोधि सोसायटी परिसर में प्रख्यात पुरातत्वविद एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. नारायण व्यास का भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया. इतिहास, पुरातत्व और भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए इतिहासप्रेमियों, शोधार्थियों, शिक्षाविदों एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने उनका आत्मीय सम्मान किया.

कार्यक्रम का आयोजन इतिहास संकलन समिति, जिला रायसेन एवं 'विदिशा की विरासत' समूह के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. इस अवसर पर 'विदिशा की विरासत' की ओर से डॉ. व्यास को अभिनंदन पत्र भेंट किया गया, जिसमें विदिशा के प्राचीन वैसनगर एवं ऐतिहासिक बीजा मंडल के पुरातात्विक महत्व, संरक्षण और अध्ययन के क्षेत्र में उनके योगदान का विशेष उल्लेख किया गया. अभिनंदन पत्र का वाचन आचार्य शिवकुमार तिवारी ने किया.वक्ताओं ने कहा कि डॉ. व्यास ने भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है. प्राचीन धरोहरों के संरक्षण और भारतीय विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने के उनके प्रयास प्रेरणादायी हैं. पद्मश्री सम्मान मिलना सांची, विदिशा और रायसेन सहित पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है.इस अवसर पर डॉ. व्यास को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया. वरिष्ठ इतिहासकार एवं पुरातत्वविद डॉ. ओटा, पूर्व महानिदेशक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, सत्यनारायण शर्मा, गोविंद देवलिया, राजीव चौबे सहित बड़ी संख्या में इतिहास एवं संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे.

आयोजन जीवन का वास्तविक उद्देश्य बाहरी सुख की तलाश नहीं, बल्कि अपने भीतर स्थित आत्मतत्व को पहचानना है

सुख बाहर नहीं, अपने भीतर है; आत्मा के अनुभव से ही मिलेगा परम आनंद-मुनि श्री निर्णयसागर महाराज

नवभारत न्यूज

विदिशा. श्री शांतिनाथ जिनालय स्टेशन जैन मंदिर में संघ सहित विराजमान मुनि श्री निर्णयसागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक संसारी प्राणी सुख और आनंद चाहता है. सुख की चाह स्वाभाविक है, लेकिन स्थायी और परम आनंद की प्राप्ति के लिए व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप को जानना आवश्यक है. सुख की खोज बाहर नहीं, बल्कि अपने भीतर करनी चाहिए.

राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं अशोक गुड्डू ने बताया कि मुनि श्री निर्णयसागर महाराज ने कहा कि शरीर और आत्मा के भेद को समझना आवश्यक है. इंद्रियों से विरक्त होकर आत्मा में रमण करना और अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव करना ही परम आनंद तथा परमात्म पद की दिशा में

आगे बढ़ने का मार्ग है.उन्होंने कहा कि परमात्मा कोई वस्तु नहीं है. वर्तमान में हम आत्मा हैं और यही आत्मा जब अपने उत्कट स्वरूप को प्राप्त कर लेती है, तब उसे ही परमात्मा कहा जाता है. आत्मा पर कर्मों के जो आवरण लगे हुए हैं, उनके अनावरण होने पर आत्मा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है. यही अवस्था परमात्म अवस्था है.मुनि श्री ने कहा कि पांचों इंद्रियों से अपने आपको दूर करके आत्मा में रमण करना ही परमात्मा की ओर जाने का मार्ग है. जब व्यक्ति अपने आत्मतत्व का अनुभव करता है और ध्यानमय होता है, तब उसे भीतर से परम आनंद की अनुभूति होने लगती है.

आत्मा में मौजूद आनंद को पहचानने की जरूरत

मुनि श्री ने कहा कि सुख किसी देश, प्रदेश, शहर, बाजार अथवा दुकान में नहीं मिलेगा. सुख का वास्तविक स्थान अपने भीतर है. जैसे रसोईघर में भोजन सामने रखा हो और व्यक्ति पूरे घर में भोजन खोजता फिरे, उसी प्रकार आत्मा में आनंद मौजूद होते हुए भी मनुष्य उसे बाहर खोज रहा है.उन्होंने कहा कि हमारी स्थिति उस मछली जैसी है, जो पानी में रहते हुए भी प्यास की तलाश कर रही हो. संसार के सभी साधन उपलब्ध होने के बावजूद मनुष्य भीतर से अशांत है, क्योंकि उसने अपने वास्तविक स्वरूप को पहचाना नहीं है.

शरीर और आत्मा का भेद समझना जरूरी

शरीर और आत्मा के भेद को समझाते हुए मुनि श्री ने कहा कि जो व्यक्ति आत्मा को शरीर से भिन्न नहीं जानता, वह शरीर को ही अपना स्वरूप मान लेता है. शरीर को सजाने, खिलाने, पिलाने, सुलाने और उसकी सुविधाओं को बढ़ाने में ही सुख समझने लगता है. लेकिन जब तक आत्मा और शरीर का भेद-विज्ञान नहीं होगा, तब तक जीवन की वास्तविक दिशा समझ में नहीं आएगी.मुनि श्री ने कहा कि केवल घर का त्याग कर लेना या दीक्षा ग्रहण कर लेना ही पर्याप्त नहीं है. आत्मा के स्वरूप का ज्ञान और आत्मानुभूति आवश्यक है. यदि आत्मा का बोध नहीं हुआ तो बाहरी त्याग के बाद भी भीतर की परेशानी समाप्त नहीं होगी.उन्होंने शास्त्र के माध्यम से समझाते हुए कहा कि जो आत्मा को शरीर से भिन्न जानता है, वही परम अवस्था की ओर बढ़ता है और निर्वाण की उपलब्धि का अधिकारी बनता है. इसलिए जीवन का वास्तविक उद्देश्य बाहर सुख खोजना नहीं, बल्कि अपने भीतर स्थित आत्मतत्व को पहचानना है.

सुख की तलाश में बाहर क्यों भटक रहे

बाजार का उदाहरण देते हुए मुनि श्री ने कहा कि जिस वस्तु की आवश्यकता होती है, व्यक्ति उसी दुकान पर जाता है. अनाज चाहिए तो अनाज की दुकान, कपड़े चाहिए तो कपड़े की दुकान और मिठाई चाहिए तो मिठाई की दुकान पर जाते हैं. जब सांसारिक वस्तुओं के लिए भी हमें पता है कि क्या कहां मिलेगा, तो सुख के लिए हम बाहर क्यों भटक रहे हैं. सुख चाहिए तो वहां जाना होगा, जहां सुख मौजूद है और सुख हमारे अपने भीतर है.उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवनभर सुख की तलाश में भटकता रहता है. कोई शिक्षा में सुख खोजता है, कोई नौकरी में, कोई व्यापार में, कोई पद-प्रतिष्ठा में तो कोई राजनीति में. व्यक्ति पार्षद से लेकर अध्यक्ष, विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक बनने की आकांक्षा रखता है और सोचता है कि अधिक पद एवं प्रतिष्ठा मिलने से सुख प्राप्त होगा. लेकिन पद बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां और परेशानियां भी बढ़ती जाती हैं. इसलिए बाहरी उपलब्धियों में स्थायी सुख तलाशना व्यर्थ है.

मुक्तिधाम सेवा समिति की पहल पर बेसहारा परिवार की मदद को आगे आए समाजसेवी

नवभारत न्यूज

विदिशा, रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुक्तिधाम में एक हृदय विदारक दृश्य देखने को मिला. पिछले तीन वर्षों से कैंसर से पीड़ित मूलचंद धाकड़ का निधन होने के बाद उनकी बेटी ज्योति धाकड़ ने स्वयं अपने पिता के अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया संपन्न कर उन्हें मुखाग्नि दी. इस मार्मिक दृश्य को देखकर मुक्तिधाम सेवा समिति के सचिव मनोज पांडे वहां पहुंचे और ज्योति को ढांढस बंधाया. समिति की ओर से अंतिम क्रिया में उपयोग होने वाली समस्त आवश्यक सामग्री निशुल्क उपलब्ध कराई गई. साथ ही दशाकर्म एवं त्रयोदशी के लिए आवश्यक सामग्री और पंडित की व्यवस्था भी निशुल्क कराने की बात कही गई.

बताया गया कि मूलचंद धाकड़ के परिवार में उनकी पत्नी शारदा धाकड़, बड़ा बेटा रंजीत धाकड़ और तलाकशुदा बेटी ज्योति धाकड़ हैं. परिवार की परिस्थितियां ठीक नहीं होने के कारण पिता की बीमारी के दौरान भी ज्योति ही उनकी देखभाल कर रही थी. रक्षाबंधन के दिन पिता के निधन के बाद ज्योति ने स्वयं उनके अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई.ज्योति धाकड़ के अनुसार उसका भाई रंजीत लंबे समय से असामाजिक गतिविधियों में लिप्त रहा है. उसके द्वारा घर में चोरी किए जाने और नशे की आदत होने की बात भी उसने बताई. ज्योति का आरोप है कि भाई द्वारा पिता के साथ मारपीट भी की जाती थी तथा बीमारी के दौरान उनकी सेवा और सहयोग नहीं किया गया. इसके चलते परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसके ऊपर आ गई.ज्योति ने बताया कि उनकी मां को मायके से मिली राशि से परिवार ने पक्का मकान बनवाया और सुरक्षा के लिए घर में सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए. उसके अनुसार घर से सामान चोरी होने की घटनाओं के कारण परिवार को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा.मुक्तिधाम सेवा समिति के सचिव मनोज पांडे ने बताया कि पिता के अंतिम संस्कार के दौरान ज्योति से परिवार की आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारी मिली. मूलचंद धाकड़ मजदूरी करते थे और परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है.